



पानी की कमी तापीय वदियुत ऊर्जा को प्रभावति कर सकती है

चर्चा में क्यों?

वशिव संसाधन संस्थान(WRI) की एक नई रपिर्ट के मुताबकि भारत के तापीय वदियुत के 90 फीसदी संयंत्र शीतलन के लिये ताजे पानी पर नरिभर हैं। 2013 से 2016 के दौरान भारत के 20 बड़े संयंत्रों में से 14 संयंत्र पानी की कमी के चलते बंद कर कर दिये गए थे।

महत्त्वपूर्ण बदि

- 2016 में पानी की कमी के कारण भारत ने लगभग 14 टेरावाट-घंटे तापीय वदियुत उत्पादन खो दिया था।
- देश के 40 फीसदी तापीय वदियुत संयंत्र पानी की कमी का सामना कर रहे हैं। और वशिव संसाधन संस्थान(WRI) के अनुसार अपर्याप्त पानी वाले इलाकों के संयंत्र 21 फीसदी कम दक्षता के साथ काम कर रहे हैं।
- रपिर्ट के मुताबकि, पानी की कमी के चलते संयंत्र के उपकरण न केवल बंद होने की कगार पर आ जाते हैं बल्कि पानी की अपर्याप्त मात्रा के चलते उनकी दक्षता भी कम हो जाती है।
- पानी की कमी के चलते हर साल भारत में संयंत्र बंद हो जाते हैं।
- WRI के अनुमानों के मुताबकि तापीय वदियुत संयंत्रों के वसितार के साथ-साथ आने वाले समय में कृषि, उद्योगों और नगर पालिकाओं में पानी की मांग बढ़ेगी तथा परस्थितियाँ और बदत्तर होती जाएंगी।
- अध्ययनों से पता चला है कि पानी बाहुल्य इलाकों में भी प्रायः पानी की कमी का संकट बना रहता है।
- सूखे या मानसून में देरी की वजह से फरक्का, रायचूर और तरिंडा जैसी जगहों पर ज़्यादा तो नहीं लेकिन फरि भी काफी संकट का सामना करना पड़ता है।

संभावति समाधान

- वदियुत क्षेत्र में पानी की मांग की सटीक जानकारी का अभाव इस समस्या को बढ़ाकर असमाधेय बना देता है।
- भारत सरकार ने हाल ही में तापीय वदियुत संयंत्रों के लिये पानी की खपत हेतु वशिष्ट सीमाएँ अनविर्य कर दी हैं, जो समाधान की दशा में एक महत्त्वपूर्ण कदम है।
- यह पूरे वदियुत क्षेत्र में जल दक्षता और नवीनता को प्रोत्साहति करेगा।

वशिव संसाधन संस्थान(WRI) के बारे में

- वशिव संसाधन संस्थान (WRI) एक गैर-लाभकारी वैश्विक अनुसंधान संगठन है, जिसे 'जेम्स गुस्ताव स्पैथ' के नेतृत्व में 'जॉन डी. और कैथरीन टी. मैकआर्थर फाउंडेशन' द्वारा दी गई वत्तितीय सहायता की मदद से 1982 में स्थापति कया गया था।
- WRI के कार्यालय संयुक्त राज्य अमेरिका, चीन, भारत, ब्राज़ील और इंडोनेशिया में भी स्थति हैं।
- संगठन का मशिन पर्यावरण स्थरिता, आर्थिक अवसर और मानव स्वास्थ्य और कल्याण को बढ़ावा देना है।
- WRI स्थानीय और राष्ट्रीय सरकारों, नजी कंपनियों तथा सार्वजनिक नगिमों के साथ भागीदारी करता है, जिसमें वैश्विक जलवायु परिवर्तन के मुद्दें, टकिाऊ बाज़ार, पारस्थितिकी तंत्र संरक्षण और पर्यावरण के प्रता ज़िमिेदार प्रशासन सेवाएँ शामिल हैं।